गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के लिए प्रस्तावित कुलगीत

ज्ञान और विज्ञान का, जय घोष चारों ओर हो।
गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय विश्व का सिरमौर हो।।

इस हरित भूमि से जन्मी, सभ्यता और संस्कृति।
कर्म पथ पर चल रहे, मां सरस्वती की संतति।।

सत्य शाश्वत मूल्य, राष्ट्रीय आस्था पुरजोर हो।
विश्वविद्यालय हमारा, विश्व का सिरमौर हो।।

प्रज्ञा बल से हैं बने, विद्यार्थी कर्मठ सदा।
राष्ट्रहित में हो समर्पित, राष्ट्र की ये संपदा।।

तम मिटे अज्ञान का, ज्ञान का नवभोर हो।
विश्वविद्यालय हमारा विश्व का सिरमौर हो।।